भारत सरकार

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या †3464

उत्तर देने की तारीख 11 अगस्त, 2025

20 श्रावण, 1947 (शक)

सेवा से सीखें अभियान

†3464. श्री कंवर सिंह तंवर :
श्री आलोक शर्मा:
श्रीमती हिमाद्री सिंहः

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 'सेवा से सीखें - करके सीखें' अभियान के उद्देश्य क्या हैं;

(ख) उक्त अभियान के अंतर्गत अब तक कितनी प्रगति हुई है;

(ग) देश भर में जन औषधि केंद्रों पर कार्यरत युवा स्वयंसेवकों की संख्या कितनी है;

(घ) क्या सरकार के पास जेनेरिक दवाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने और जन स्वास्थ्य साक्षरता को बढ़ावा देने की कोई योजना है; और

(ङ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री
(डॉ. मनसुख मांडविया)

(क) और (ख) माई भारत के तहत "सेवा से सीखें –करके सीखें" अभियान का उद्देश्य युवाओं को व्यावहारिक शिक्षा के माध्यम से जन सेवा से जोड़ना है। यह युवाओं को लोक सेवा संस्थानों की सहायता करने के लिए सशक्त बनाता है। स्वास्थ्य के क्षेत्र चलाई गई गतिविधियाँ इस प्रकार हैं:

- रोगियों को स्वास्थ्य सेवाओं का उपयोग करने में सहायता करना,
- ओपीडी संचालन में सहायता करना,
- 'क्या मैं आपकी मदद कर सकता/सकती हूँ' डेस्क का प्रबंधन करना,
- स्वास्थ्य बीमा संबंधी कागजी कार्यों में सहायता करना,
- आभा ऐप में पंजीकरण करने में सहायता करना,
- अन्य कार्यों के साथ-साथ, डेटा प्रविष्टि और रिकॉर्ड प्रबंधन।

यह स्वास्थ्य-केंद्रित एकस्पीरिएंशियल लर्निंग प्रोग्रैम (ईएलपी) 17 सितंबर 2024 को आरंभ हुआ और अब तक (17 सितंबर 2024 से 31 मई 2025 तक) 551 ईएलपी आयोजित किए जा चुके हैं और वर्तमान में 95 अन्य ईएलपी चल रहे हैं, जिनमें कुल 6,444 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया है।

(ग) जुलाई 2025 तक भारत भर में जन औषधि केंद्रों पर ईएलपी में 2,405 युवा स्वयंसेवकों ने भाग लिया है।

(घ) और (ङ) जेनेरिक दवाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने और जन स्वास्थ्य साक्षरता में सुधार लाने के लिए जन औषधि केंद्रों पर ईएलपी के माध्यम से युवा स्वयंसेवकों को जोड़ा जा रहा है। इसका लक्ष्य फार्मेसी छात्रों को शामिल करके इस पहल का विस्तार टियर 2 और टियर 3 शहरों तक करके स्थानीय समुदायों में स्वास्थ्य जागरूकता फैलाने के लिए सहकर्मी-से-सहकर्मी संपर्क का उपयोग करना है।

एक व्यापक प्रयास के रूप में प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के माध्यम से जेनेरिक दवाओं को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिसके तहत देश भर के जन औषधि केंद्रों में किफायती जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। विभिन्न आउटरीच गतिविधियों, मीडिया अभियानों और 7 मार्च को जन औषधि दिवस के आयोजन के माध्यम से जागरूकता बढ़ाई जा रही है।

सरकारी स्कीमों के अंतर्गत केन्द्रीय अस्पतालों और डॉक्टरों को जेनेरिक नामों से दवाइयां लिखने की सलाह दी गई है औ राज्यों को भी जन स्वास्थ्य सेवाओं में इसका पालन करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

******